कक्षा-4 के लिए अपठित गद्यांश

बात करने वाली किताब

गर्मी की छुट्टियों में, सोनू अपने दादा-दादी के घर गया। वहाँ उसने अपने दादा जी को किताबों के बीच में बैठा देखा। दादा जी के हाथ में एक पुरानी किताब थी, जिसका नाम था "गणित क्या है?"।

सोनू: "दादा, ये गणित क्या है?"दादा जी ने मुस्कराते हुए कहा, "गणित सिर्फ संख्याओं का खेल नहीं है, बेटा। यह जीवन के हर क्षेत्र में मौजूद है।" सोनू ने उत्सुकता से पूछा, "आप बताएं, दादा।" दादा जी ने किताब के कुछ पन्ने खोले और बोले, "गणित का अर्थ है मापना, समझना और व्यवस्थित करना। जैसे तुम जब दूध पीने के लिए गिलास ले जाते हो, तो तुम मापते हो कि कितना दूध डालना है।" सोनू ने कहा, "अच्छा, तो क्या गणित सिर्फ संख्या का खेल है?"

"नहीं, बेटा।" दादा जी ने कहा। "यह केवल संख्याएँ नहीं हैं, बल्कि यह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में हम जो निर्णय लेते हैं, उन सभी में शामिल है। उदाहरण के लिए, तुम जब अपने दोस्तों के साथ खेलते हो, तो तुम स्कोर रखते हो, है ना? वह भी गणित है।" सोनू ने कहा, "हां, हम हमेशा खेल में स्कोर रखते हैं। लेकिन दादा, मैं गणित में कमजोर हूँ।" दादा जी ने हंसते हुए कहा, "गणित भी एक कला है। जैसे तुम पेंटिंग करते हो या गाना गाते हो, उसमें अभ्यास की जरूरत होती है। अगर तुम इसे प्यार से सीखोगे, तो तुम इसमें अच्छे बन सकते हो।"

फिर दादा जी ने एक उदाहरण दिया। उन्होंने कुछ आम और केले लेकर यह बताया कि अगर आम 10 रुपये में हैं और केले 5 रुपये में, तो अगर तुम्हारे पास 50 रुपये हैं, तो तुम कितने आम और केले खरीद सकते हो। सोनू ने तुरंत उत्तर दिया, "मैं 5 आम और 5 केले खरीद सकता हूँ!"

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. किताब का नाम क्या था?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०2. दादा जी के अनुसार गणित क्या है?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०3. गणित एक कला कैसे है?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०4. दादा जी ने गणित का क्या उदाहरण दिया ?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०5. नीचे दिए गए शब्दों के विपरीतार्थक लिखकर उनके वाक्य बनाओ

1. कमजोर - ----------

---

2. तुरंत ----------